

Kvetná nedeľa

ΚΥΡΙΑΚΗ ΤΩΝ ΒΑΪΩΝ
ΤΩ ΣΑΒΒΑΤΩ ΕΣΠΕΡΑΣ

Ἐκ δέκωτ' ἢ κείρα

Večiereň – Stichiry na Litii

1. hlas (3), 2. hlas (2), 3. hlas (doxastikon)

Z piatich radových stichír Litie sú dnes prvé tri predpísané na 1. hlas. Druhá v poradí však má v kriukových rukopisoch nápev na druhý hlas. Štvrtá v poradí (2. hlas) bola kedysi doxastikom na malej večierni na *Hóspodi vozzvách*.

Pred Nikonovou reformou za touto päticou stichír nasledovali ešte tri (na 8. a 2x na 6. hlas); tie dnes už vypadli z rozpisu.

- Nápev podľa ruských kriukových a dvojznamenných prameňov zo 17.-18. storočia
- Preklad do kyjevskej notácie v duchu ruténskej tradície
- Aplikácia na súčasný csl. text

Pramene

S429, 447, 450

Εἰς τὴν Λιτὴν, Στιχηρὰ Ἰδιόμελα, Ἦχος α

Τὸ πανάγιον Πνεύμα, 7
καὶ τοὺς Ἀποστόλους 6 διδάξαν / λαλεῖν, 5
ἐραις ξέναις γλώσσαις, 6 //

αὐτὸ τοὺς παῖδας / τῶν Εβραίων, 9
τοὺς ἀπει-ροκάκους, 6
προτρέπε-ται κραυγάζειν, 7 //

Ὡσαννά ** ἐν τοῖς υψίστοις, 8
εὐλογημένος ὁ ἐρχόμενος, 9 Βασιλεὺς τοῦ Ἰσραήλ. 7

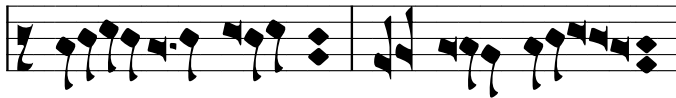
Ἡ λιτὴν στιχηρὴν εἰσογλαίην, γλαέζ ᾗ:



Ῥεε-εβλ-τῆῖ ἄχζ, ἁ-πό- -ετο-λυ ἡλ-τῆ-βῖῖ



γλα-γό- -λα-τη ἡ-νὴ-μῆ στρά-η-μῆ ἁ-ζῆ- -κη,



τῶῖ ἄβ- -πεμζ εῖ- ρεῖ- -εκημζ



ηε- ηε- κδ-ρο-σλώβ-ημζ πο-βε- -λτ- -βά- -ετζ ζβά- -τη:



ὦ- -εἰῆ - -ηλ βζ βῖσι - - -ηηχζ,



εἰ- -ρο-ελο- βέηζ γρλ- δῖῖ τρῖ ἰε- ρά- -η- -λεβζ.

Ο συνάναρχος 5
καί συναΐδιος Υἱός, 8
καί Λόγος τού Πατρός, 6
ἐπί πώλου αλόγου, 7 /

ἦλθε σήμερον 5
καθεζόμενος, 5 ἐπί τήν πόλιν 5
Ιερουσαλήμ, 5 //

όν τά Χερουβίμ μετά δέους 9 ατενίσαι ου δύνανται, 8 /
Παῖδες ανευφήμησαν, 7
μετά βαΐων καί κλάδων, 8 τόν αἶνον μυστικώς αναμέλποντες, 11 //

Ωσαννά εν τοῖς υψίστοις, 8
τώ ελθόντι σώσαι εκ πλάνης, 9
ἅπαν τό γένος ημών. 7

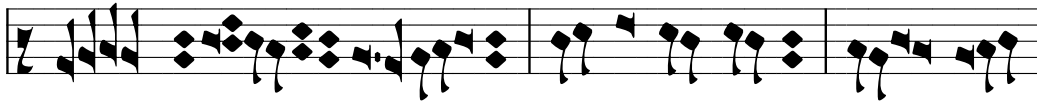
ГОВЕЗНАЧАЛЬНЫІ Н СОПРНИКОУЩИНЫІ, ЕНЗ Н СЛОВО ОУЕЕ,
НА ЖРЕБАТИ БЕЗЕЛОВЕНОМЪ ЕДѢЛ,
ПРІИДЕ ДНЕСЬ ВО ГРАДЪ ІЕРУСАΛΗΜЪ:
ѢГѠЖЕ ХЕРУВІМІИ СО СТРАХОМЪ ЗРѢТИ НЕ МОГѠУТЪ,
ДѢТИ ВОСХВАЛІША, ЕЗ КЛѢМЪ Н ВѢТВЪМН,
ХВАЛѠ ПѠНИСТВЕННѠ ВОСПѢВАЮЩЕ:
ѠСАΝНА ЕЗ ВЪШННХЪ, ѠСАΝНА СІИΝΔ ΔΑΒΪΔΟΒΔ,
ПРІШЕДШЕМΔ ЕПСТН Ѡ ПРѢЛЕСТИ ВЕЕЪ РОДЪ НАШЪ.

Πρό ἐξ ημερῶν τοῦ Πάσχα, 8
 ἡ φωνή σου ηκούσθη Κύριε, 10
 εἰς τὰ βάθη τοῦ Ἄδου, 7

ὄθεν καί τόν Δάζαρον, 7
 τετραήμερον ἤγειρας, 8

οἱ δέ παῖδες
 τῶν Εβραίων ἐκράζον, **11

Ὡσαννά, 3 ο Θεός ημῶν δόξα σοι. 8



Πρέζ - - δε шее-тѣ днѣй пѣ-χн, γλάεζ τ'βόϋ



οὔ-ελεβί-ша-εα γό- - επο-дн, वो गल-बि- - नलख ँ - - दो-बुखः



т'ѣм - - же ѣ лл-за-ра че-тве-ро-днѣв-на воз- - двѣглз ѣ-єѣ.



дѣти же ѣв-рѣѣ-икѣа взы-вѣ-хѣ:



(-8)



ώ - - εάν - - на бό-же нлшз, ελά - - ва τε - - -β'β.

Πρό ἕξ ἡμερῶν, τοῦ γενέσθαι τό Πάσχα, 12
ἦλθεν Ἰησοῦς εἰς Βηθανίαν, 10
ανακαλέσασθαι τόν τεθνεῶτα 11
τετραήμερον Λάζαρον, 8
καί προκηρύξαι τήν Ἀνάστασιν, 10
υπήντησαν αὐτῷ καί αι γυναῖκες, 11
Μάρθα καί Μαρία, 6
αδελφαί τοῦ Λαζάρου, 7 αναβοῶσαι πρός αὐτόν, 8
Κύριε, εἰ ἦς ὧδε, 7 οὐκ ἂν ἀπέθανεν ἡμῶν ὁ ἀδελφός, 12
Τότε λέγει πρός αὐτάς, 7 οὐ προείπον ὑμῖν, 6
ὁ πιστεῦων εἰς ἐ-μέ, 7 κἂν ἀποθάνῃ ζήσεται; 8
υποδείξατέ μου, 6 πού τεθήκατε αὐτόν, 7
καί εβρά πρός αὐτόν, 7 ὁ κτίστης τῶν ἀπάντων, 7
Λάζαρε δεῦρο ἔξω.

На лѣтѣ, Слава ѣ нѣнѣ, гласъ ѣ:



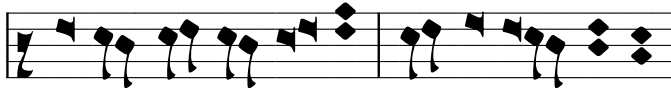
Πρέ- - - - - жде шє-рѣнѣ днѣѣ вѣ- -тї- - - ѧ πάс- - - χн,



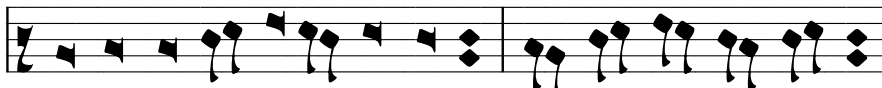
прї- н- де і- н- еѣ во вн- дѣ- - нї- - ю,



воз-звѣ-тн оѣ- мѣр- - ша чє-ткє-ро- днѣв- на лѣ- за- рѣ,



ѣ про- по- вѣ- да-тн वो-кре-εѣ- - нї-ε.



рѣ-тѣ-ша же ѣ-гѣ ѣ жє-нѣ, мѣр-ѣ ѣ ма- ρї- - а



εε-τρὺ λά-ζα- ρε- - -βυ, βο- -πῖ- -ύ- - -це κ^z не-мѣ:



гό-επο- - -дн, ἄ-це бы ε̇- -εὶ βύλ^z здѣ, не бы оῦ- -μερ^z бра^zтз н^zшз.



то-гд^z гла-г^z - -ла κз н^zмз: не пред-ре-к^zч^z ли б^zмз:



вѣ- ρ^z - -д^z в^z м^z, ἄ-це н^z оῦ- -м-ре^zтз, ж^zнв^z в^z-де^zтз:



по- ка-ж^zи-те м^z, гдѣ по- -ло-ж^zи-те ε̇- - -го;



н^z во-п^zи- -ше κ^z не-мѣ з^zнж-д^zи- - -тель в^zсѣ^zч^z:



ла- - -за- - -ре, гр^zд^z - -д^zн^z в^zб^zн^z.